भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 1310

उत्तर देने की तारीख: गुरूवार, 30 जुलाई, 2026

8श्रावण,1948 (शक)

मुदुमल महापाषाणीय मेनहिर को मान्यता

1310. **डा. के. लक्ष्मण**:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मार्च 2025 में तेलंगाना स्थित मुदुमल महापाषाणीय मेनहिर (मेगालिथिक मेनहिर्स) को भारत की यूनेस्को संभावित विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने के उपरांत क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) इस स्थल पर पुरातात्विक प्रलेखन, वैज्ञानिक संरक्षण, स्थल प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी और आगंतुक अवसंरचना हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) वर्तमान 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों से आगे भारत में ऐसे स्थलों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार की व्यापक कार्यनीति क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री

(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क):तेलंगाना में स्थित मुदुमल मेगालिथिक मेनहिर को मार्च,2025 में भारत की यूनेस्को की अस्थायी विश्व धरोहर कीसूची में सूचीबद्ध किया गया था।इस संबंध में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को तेलंगाना के युवा उन्नति, पर्यटन और संस्कृति विभाग से प्रारंभिक आंकलन (पीए) का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है।

(ख):मुदुमल मेगालिथिक मेनहिर, तेलंगाना के विरासत विभाग द्वारा संरक्षित है।विरासत विभाग, तेलंगाना से प्राप्त सूचना के अनुसार, विभाग द्वाराविस्तृत पुरातात्विक दस्तावेजीकरण सहित फोटोग्राफिक रिकॉर्डिंग, जीआईएस मैपिंग, स्थिति का आंकलन और महापाषाण अवशेषों की सूची तैयार की गई है।विरासत विभाग, तेलंगाना ने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के सहयोग से लगभग 600 स्कूली शिक्षकों के लिए विरासतजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया है, जिसमें धरोहरों के परिरक्षण और इनके संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

तेलंगाना के विरासत विभाग द्वारा प्रस्तुत उत्खनन प्रस्ताव के आधार पर, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने उक्त स्थल पर उत्खनन करने की अनुमति दी है।

(ग): संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में भारत के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं, ताकि निर्धारि तसम यसीमा के अनुसार यूनेस्को, विश्व धरोहर केंद्र को प्रारंभिक मूल्यांकन (पीए) और नामांकन डोजियरसमय पर प्रस्तुत किया जास के।

हाल ही में कोरिया गणराज्य के बुसान में आयोजित विश्व धरोहर समिति के 48 वें सत्र के दौरान, भारत ने वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में स्थित प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथको यूनेस्को की विश्व धरोहर कीसूची में शामिल कराया है।इसके साथ ही, विश्व धरोहर कीसूची में भारत के स्थलों की संख्या 45 हो गई हैं।

*****